Drishti IAS

करेंट अफेयर्स छत्तीसगढ़

जून (संग्रह)

2024

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

छत्तीसगढ़

- छत्तीसगढ़ में 10 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण 3
- विकसित छत्तीसगढ़: 10 वर्षों का विज़न 3
- महुआ फूलों को लेकर कोया जनजाति में संघर्ष 5
- छत्तीसगढ़ में विरोध प्रदर्शन 6
- दवा वितरण के लिये GPS ट्रैकिंग 7
- छत्तीसगढ़ में नक्सलियों की मुठभेड़ 8
- मॉब लिंचिंग 9
- छत्तीसगढ़ में जाली भारतीय मुद्रा ज़ब्त 10

दृष्टि The Vision

नोट :

छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ में 10 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा ज़िले** में चार नाबालिगों सहित दस **नक्सलियों** ने आत्मसमर्पण किया।

मुख्य बिंदु:

- पुलिस द्वारा जून 2020 में शुरू किये गए **'लोन वर्राटू' यानी अपने घर वापस लौटो अभियान** के तहत अब तक ज़िले में कुल 815 नक्सलियों ने हिंसा छोड़ दी है।
- **लोन वर्राटू:**
  - इस अभियान का मतलब है **'घर वापस आओ ('Come back home')।**
  - यह अभियान उन नक्सलियों के लिये शुरू किया गया था जो **लाल आतंक (Red Terror)** का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होना चाहते थे। इस अभियान के तहत कई **नक्सलियों ने आतंकवाद का रास्ता** छोड़ दिया है।

नक्सलवाद

- **नक्सलवाद** शब्द का नाम पश्चिम बंगाल के गाँव नक्सलबाड़ी से लिया गया है।
- इसकी शुरुआत स्थानीय ज़मींदारों के खिलाफ विद्रोह के रूप में हुई, जिसने भूमि विवाद पर एक किसान की पिटाई की थी।
- यह आंदोलन जल्द ही पूर्वी **भारत में छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्रप्रदेश** जैसे राज्यों के कम विकसित क्षेत्रों में फैल गया।
- **वामपंथी उग्रवादी (LWE)** विश्व भर में माओवादियों और भारत में **नक्सली** के रूप में लोकप्रिय हैं।
- **उद्देश्य:**
  - वे **सशस्त्र क्रांति** के माध्यम से भारत सरकार को उखाड़ फेंकने और **माओवादी सिद्धांतों** पर आधारित एक **कम्युनिस्ट राज्य** की स्थापना का समर्थन करते हैं।
  - वे राज्य को **दमनकारी, शोषक** और सत्तारूढ़ अभिजात वर्ग के हितों की सेवा करने वाले के रूप में देखते हैं, वे सशस्त्र संघर्ष एवं जनयुद्ध (People's War) के माध्यम से सामाजिक-आर्थिक शिकायतों का समाधान करना चाहते हैं।

विकसित छत्तीसगढ़: 10 वर्षों का विज़न

चर्चा में क्यों ?

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के विकास के लिये योजनाओं पर चर्चा और रणनीति बनाने हेतु IIM-रायपुर में दो दिवसीय 'चिंतन शिविर' का आयोजन किया।

- **शिविर के दौरान सत्र का संचालन नीति आयोग** के सीईओ बी. वी. आर. सुब्रह्मण्यम और **G-20 शेरपा** अमिताभ कांत ने किया।

मुख्य बिंदु:

- शिविर का उद्देश्य **'विकसित छत्तीसगढ़' के लिये रणनीतिक रोडमैप तैयार करना और उसे लागू करना था।** इसमें देश भर से विषय विशेषज्ञ भी शामिल हुए।
- विकसित छत्तीसगढ़, **वर्ष 2047 तक** भारत को विकसित करने के लक्ष्य **'विकसित भारत'** के विचार के अनुरूप है।

नोट :

- शिविर के दौरान **छत्तीसगढ़ में खनिजों की प्रचुरता** और राज्य के मनोरम परिदृश्यों पर प्रकाश डाला गया।
- **राज्य के आर्थिक हितों और राज्य में पर्यटन उद्योग के विकास** के लिये खनिज दोहन के संतुलन के महत्त्व पर भी ज़ोर दिया गया।

नीति आयोग

- **योजना आयोग** को **1 जनवरी, 2015 को एक नए संस्थान नीति आयोग द्वारा प्रतिस्थापित** किया गया था, जिसमें '**सहकारी संघवाद**' की भावना को प्रतिध्वनित करते हुए अधिकतम शासन, न्यूनतम सरकार की परिकल्पना की परिकल्पना के लिये 'बॉटम-अप' दृष्टिकोण पर ज़ोर दिया गया था।

नोट :

- **इसके दो हब हैं:**
  - **टीम इंडिया हब**- राज्यों और केंद्र के बीच इंटरफेस का काम करता है
  - **ज्ञान और नवोन्मेष हब**- नीति आयोग के थिंक-टैंक की भाँति कार्य करता है

नोट:

- G20 का **कोई स्थायी सचिवालय** नहीं है। एजेंडा और कार्य का समन्वय G20 देशों के प्रतिनिधियों द्वारा किया जाता है, जिन्हें **'शेरपा'** के रूप में जाना जाता है, जो केंद्रीय बैंकों के वित्त मंत्रियों तथा गवर्नरों के साथ मिलकर कार्य करते हैं।

महुआ फूलों को लेकर कोया जनजाति में संघर्ष

चर्चा में क्यों ?

गोदावरी घाटी में कोया जनजाति को सांस्कृतिक संकट का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि **विशेष प्रवर्तन ब्यूरो** के छापों के कारण **महुआ शराब पीने** की उनकी प्रिय परंपरा को खतरा उत्पन्न हो गया है।

मुख्य बिंदु:

- महुआ, एक उष्णकटिबंधीय वृक्ष जिसे वैज्ञानिक रूप से **मधुका लॉन्गिफोलिया (*Madhuca longifolia*)** के नाम से जाना जाता है, भारत में विभिन्न आदिवासी समूहों की परंपराओं में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
  - कोया समुदाय के बीच, यह वृक्ष पूजनीय है और विभिन्न समारोहों में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। गर्मियों की शुरुआत में इसके फूल खिलते हैं और मुख्य रूप से शराब बनाने के लिये उपयोग किये जाते हैं।
  - सूखे फूल उन लोगों के लिये आय का एक प्रमुख स्रोत हैं जो उन्हें इकट्ठा करते हैं। गोदावरी घाटी में, कोया **महुआ नट्स से खाना पकाने का तेल** बनाते हैं।
- यह **बस्तर (छत्तीसगढ़) के आदिवासी क्षेत्रों में एक प्रमुख वन वृक्ष है** और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- महुआ के फूल **शर्करा का एक समृद्ध स्रोत** हैं और कहा जाता है कि इनमें **विटामिन, खनिज एवं कैल्शियम** होते हैं।
- फूलों को किण्वित और आसुत किया जाता है जिससे मादक शराब बनती है जिसे **'देशी बीयर (Country beer)'** भी कहा जाता है।
  - अनुमान है कि महुआ फूल के **वार्षिक उत्पादन का 90% पेय पदार्थ** बनाने की प्रक्रिया में उपयोग किया जाता है।

नोट :

कोया जनजाति

- कोया भारत के कुछ **बहु-नस्लीय और बहुभाषी आदिवासी** समुदायों में से एक हैं।
- वे आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, **छत्तीसगढ़** और ओडिशा राज्यों में **गोदावरी नदी के दोनों किनारों पर** जंगलों, मैदानों व घाटियों में रहते हैं।
- ऐसा कहा जाता है कि कोया **उत्तर भारत के बस्तर** में अपने मूल निवास से मध्य भारत में चले आए थे।
- **भाषा:**
  - कोया भाषा, जिसे **कोयी** भी कहा जाता है, एक **द्रविड़ भाषा** है। यह **गोंडी से बहुत मिलती-जुलती है** और इस पर **तेलुगु का बहुत प्रभाव है।**
  - अधिकांश कोया, **कोयी के अलावा गोंडी या तेलुगु भी बोलते हैं।**
- **व्यवसाय:**
  - **परंपरागत रूप से,** वे **पशुपालक और झूम कृषि** करने वाले किसान थे, लेकिन आजकल, वे **पशुपालन तथा मौसमी वन संग्रह के साथ-साथ स्थायी कृषि करने लगे हैं।**
  - वे ज्वार, रागी, बाजरा और अन्य मोटे अनाज उगाते हैं
- **समाज और संस्कृति:**
  - सभी कोया **गोत्रम नामक पाँच उप-विभागों** में से एक से संबंधित हैं। **प्रत्येक कोया एक कुल में पैदा होता है** और वह उसे छोड़ नहीं सकता।
  - कोयाओं का एक **पितृवंशीय और पितृस्थानीय परिवार** होता है। परिवार को "कुटुम" कहा जाता है। **एकल परिवार** प्रमुख प्रकार है।
  - कोयाओं में **एकविवाह** प्रचलित है।
  - कोया अपने **स्वयं के जातीय धर्म** का पालन करते हैं लेकिन कई **हिंदू देवी-देवताओं** की भी पूजा करते हैं।
  - **कई कोया देवता महिला हैं,** जिनमें सबसे महत्त्वपूर्ण "धरती माता" है।
  - वे ज़रूरतमंद परिवारों की सहायता करने और खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के लिये गाँव स्तर पर **सामुदायिक निधि और अनाज बैंक बनाए रखते हैं।**
  - कोया मृतकों को या तो **दफनाते हैं** या उनका दाह संस्कार करते हैं। वे मृतकों की याद में मेनहिर बनाते हैं।
  - उनके मुख्य **त्योहार विज्जी पांडुम** (धरती तथा धान बीज की पूजा का उत्सव) और **कोंडाला कोलुपु** (पहाड़ी देवताओं को प्रसन्न करने का त्योहार) हैं।
  - कोया त्योहारों और विवाह समारोहों में भाग लेते हैं तथा एक जीवंत, ज़ोरदार नृत्य करते हैं जिसे **पर्माकोक (बाइसन हॉर्न डांस)** के रूप में जाना जाता है।

छत्तीसगढ़ में विरोध प्रदर्शन

चर्चा में क्यों ?

छत्तीसगढ़ के बलौदा बाज़ार ज़िले में **अनुसूचित जाति सतनामी समाज** के कई सदस्यों ने अपने **धार्मिक स्थल जैतखाम पर अतिक्रमण के विरोध में हिंसक प्रदर्शन** करते हुए कलेक्ट्रेट भवन के एक हिस्से में आग लगा दी, वाहनों को क्षतिग्रस्त किया तथा पुलिस के साथ झड़प की।

नोट :

मुख्य बिंदु:

- **जैतखाम**, जिसे **विजय स्तंभ** भी कहा जाता है, का छत्तीसगढ़ के **सतनामी समाज** में महत्त्वपूर्ण स्थान है।
- यह एक पूजनीय धार्मिक प्रतीक है जो **बुराई पर अच्छाई की विजय** और उक्त समाज की आध्यात्मिक विरासत **का प्रतिनिधित्व** करता है
- अमर गुफा में स्थित जैतखाम (धार्मिक स्तंभ) एक **उपासना स्थल और साथ ही सांस्कृतिक तथा धार्मिक समारोहों का मुख्य स्थल** है, जो सतनामी समाज के व्यक्तियों की पहचान तथा इतिहास को दर्शाता है।
- बलौदा बाज़ार ज़िले के गिरौधपुरी कस्बे में सतनामी समाज के जैतखाम धार्मिक स्थल पर तोड़-फोड़ की गई जिसके कारण यह विरोध प्रदर्शन किया गया।
- सतनामी समाज के सदस्य इस कृत्य को घोर अनादर तथा समाज की मान्यताओं एवं परंपराओं को क्षति पहुँचाने का प्रयास मानते हैं।

सतनामी समाज

- छत्तीसगढ़ के सतनामी समाज के व्यक्ति ब्रिटिश काल के दौरान **बंगाल में सामाजिक-धार्मिक आंदोलन** का गठन करने वाले व्यक्तियों का एक समूह थे
- इस आंदोलन की स्थापना और नेतृत्व **बिलासपुर ज़िले** के **घासी दास** ने किया था तथा उन्हें एक अछूत चर्मकार माना जाता था।

दवा वितरण के लिये GPS ट्रैकिंग

चर्चा में क्यों ?

अपनी आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ करने और दवाओं की सुचारु डिलीवरी की सुविधा के लिये **छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज़ कॉर्पोरेशन लिमिटेड (CGMSCL)**, जो राज्य में सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं के लिये गुणवत्ता परीक्षण की गई **दवाओं एवं चिकित्सा उपकरणों की खरीद तथा वितरण के लिये ज़िम्मेदार** है, ने ग्लोबल पोज़िशनिंग सिस्टम (GPS) आधारित ट्रैकिंग सिस्टम की तैनाती की घोषणा की है।

मुख्य बिंदु:

- अपने नवीनतम आदेश में CGMSCL ने अपने सभी वाहनों पर GPS सक्षम उपकरणों की इनस्टॉलेशन अनिवार्य कर दी है। इन-हाउस DPDMIS एप्लीकेशन के साथ मिलकर **GPS डेटा वेयरहाउस से वितरण स्थान तक किसी भी शिपमेंट की आसान ट्रैकिंग को सक्षम बनाता है,** इस प्रकार सटीक स्थान निर्धारित करता है तथा डिलीवरी का अनुमानित समय निर्धारित करता है।
- CGMSCL ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी **आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ करने के लिये कई पहल की हैं,** जिसमें CGMSCL द्वारा **मुख्य रूप से अपने इन-हाउस सॉफ्टवेयर DPDMIS** (ड्रग प्रोक्योरमेंट एंड डिस्ट्रीब्यूशन मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम) की विशेषताओं को बढ़ाकर, अपने वेयरहाउस की दक्षता बढ़ाकर और सभी अस्पतालों में चिकित्सा आपूर्ति के लिये वाहनों का संचालन करके ये पहल की गई हैं।
- CGMSCL का एक प्रमुख उद्देश्य **सटीक स्थान पर आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना** है।
  - GPS आधारित वाहन **ट्रैकिंग सिस्टम का उद्देश्य स्टोर प्रभारी, वेयरहाउस प्रबंधकों और शीर्ष प्रबंधन को वास्तविक समय ट्रैकिंग, अनुमानित आगमन समय (ETA) तथा डिलीवरी के प्रमाण जैसी सुविधाओं के साथ सहायता करना** है।

नोट :

ग्लोबल पोज़िशनिंग सिस्टम (Global Positioning System- GPS)

- GPS की शुरुआत वर्ष 1973 में अमेरिकी रक्षा विभाग द्वारा की गई थी।
- GPS रिसीवर कुछ आवृत्तियों (50 बिट्स/सेकंड पर L1 और L2 आवृत्तियों) पर उपग्रहों द्वारा प्रदान किये गए रेडियो संकेतों को प्राप्त करता है और उनका आकलन करता है, जो **अंतरिक्ष के तीन डायमेंशन एवं समय के एक डायमेंशन में सटीक स्थान निर्धारण में मदद करता है।**

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों की मुठभेड़

चर्चा में क्यों

हाल ही में **छत्तीसगढ़ के नारायणपुर ज़िले** में सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में छह नक्सली मारे गए।

- इस अभियान का लक्ष्य **कुतुल-फरसबेड़ा और कोडतामेटा गाँवों** के निकट वनों में नक्सलियों को निशाना बनाना था।

मुख्य बिंदु:

- वे नक्सली **पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (PLGA)** के सदस्य थे।
  - **PLGA** भारत में प्रतिबंधित राजनीतिक संगठन **भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)** की सशस्त्र शाखा के रूप में कार्य करता है
  - यह समूह लंबे समय तक चलने वाले जनयुद्ध के माध्यम से सरकार को उखाड़ फेंकना चाहता है।
- यह एक सप्ताह के भीतर नारायणपुर पुलिस द्वारा **"माड़ बचाओ अभियान" (नक्सल विरोधी अभियान)** की दूसरी बड़ी सफलता है।
- इस अभियान से **अबूझमाड़ क्षेत्र** में हिंसा और भय को कम करने में सहायता मिली है, जो 40 वर्षों से नक्सल हिंसा से प्रभावित था।
- इस अभियान में **राज्य पुलिस के ज़िला रिज़र्व गार्ड, विशेष कार्य बल (STF), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस और सीमा सुरक्षा बल** के जवान शामिल थे।
- इस ऑपरेशन में **महिला कमांडो** ने भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रेड कॉरिडोर

- **रेड कॉरिडोर/लाल गलियारा** भारत के **मध्य, पूर्वी और दक्षिणी** भागों का वह क्षेत्र है जहाँ गंभीर **नक्सलवादी-माओवादी विद्रोह** का प्रभाव है।
- **छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और केरल राज्य वामपंथी उग्रवाद (LWE) से प्रभावित माने जाते हैं।**

सीमा सुरक्षा बल (Border Security Force- BSF)

- **BSF** का उद्देश्य अपने पड़ोसी देशों के साथ **भारत की सीमाओं को सुरक्षित करना** है और इसे कई कानूनों के तहत गिरफ्तार करने, तलाशी लेने तथा ज़ब्त करने का अधिकार है। जैसे कि **दंड प्रक्रिया संहिता (CrPC),1973**, पासपोर्ट अधिनियम 1967, **पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम 1920** और **नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस' (NDPS) अधिनियम, 1985** आदि।

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (Indo-Tibetan Border Police- ITBP)

- ITBP की स्थापना 24 अक्तूबर, 1962 को भारत-चीन युद्ध के दौरान की गई थी और यह एक सीमा रक्षक पुलिस बल है, जिसकी शुरुआत भारत-चीन सीमा पर तैनाती के लिये की गई थी।
- ITBP को प्रारंभ में **'केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल' (CRPF) अधिनियम, 1949 के तहत स्थापित किया गया था।** हालाँकि वर्ष 1992 में संसद ने ITBP अधिनियम लागू किया और वर्ष 1994 में इसके संबंध में नियम बनाए गए।

नोट :

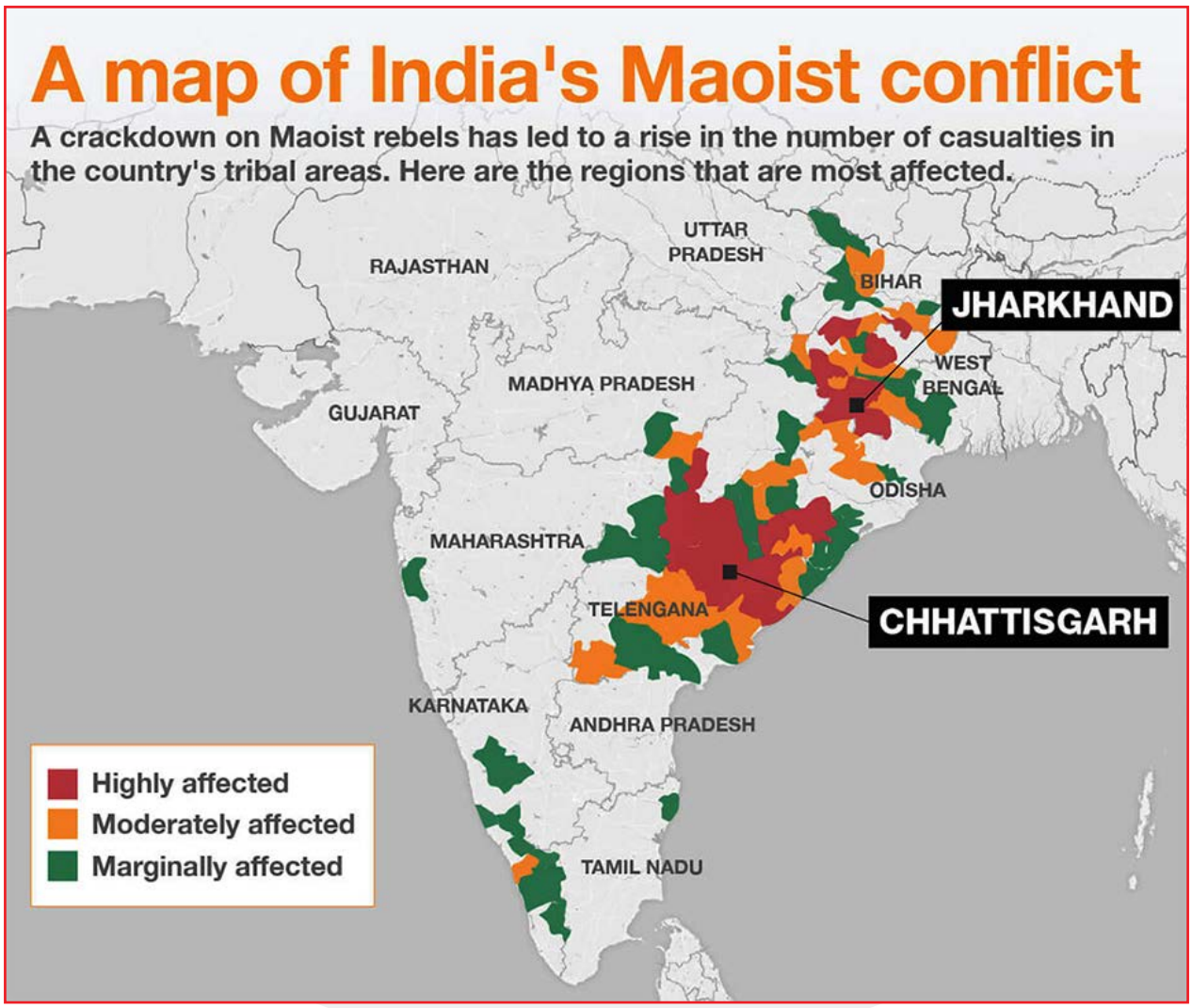

मॉब लिंचिंग

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में छत्तीसगढ़ के रायपुर में **दो मवेशी ट्रांसपोर्टर** मृत पाए गए और तीसरा व्यक्ति भीड़ द्वारा (कथित तौर पर) हमला किये जाने के बाद गंभीर रूप से घायल हो गया।

- पीड़ित मवेशियों को **महासमुंद से रायपुर** ले जा रहे थे।

मुख्य बिंदु:

- मॉब लिंचिंग एक शब्द/पद है जिसका प्रयोग लोगों के एक बड़े समूह द्वारा लक्षित हिंसा के कृत्यों का वर्णन करने के लिये किया जाता है।
- यह हिंसा **मानव शरीर या संपत्ति या सार्वजनिक एवं निजी** दोनों के विरुद्ध अपराध के समान है।
- भीड़ का मानना है कि वे पीड़ित को कुछ गलत करने (ज़रूरी नहीं कि अवैध) के लिये दंडित कर रहे हैं और इस प्रकार वे कानून के किसी भी नियम का पालन किये बिना कथित आरोपी को दंडित करने हेतु कानून को अपने हाथ में ले लेते हैं।

नोट :

- **संबंधित मुद्दों:**
  - **मॉब लिंचिंग मानवीय गरिमा**, संविधान के **अनुच्छेद 21** का उल्लंघन है और **मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा** का घोर उल्लंघन है।
  - ऐसी घटनाएँ **समानता के अधिकार** (**अनुच्छेद 14**) और **भेदभाव के निषेध** (**अनुच्छेद 15**) का उल्लंघन करती हैं।

छत्तीसगढ़ में जाली भारतीय मुद्रा ज़ब्त

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में सुरक्षा बलों को छत्तीसगढ़ के **सुकमा ज़िले** में **नक्सलियों** के पास से **जाली भारतीय मुद्रा** का एक बड़ा जखीरा और उसे छापने के उपकरण बरामद हुए।

मुख्य बिंदु:

- पुलिस का दावा है कि **नक्सली कुछ समय से बस्तर क्षेत्र के दूर-दराज़ के इलाकों के साप्ताहिक बाज़ारों में जाली नोटों का इस्तेमाल कर रहे हैं** और **भोले-भाले आदिवासियों को धोखा दे रहे हैं।**
  - घटनास्थल की तलाशी के दौरान सुरक्षाकर्मियों को **50 रुपए, 100 रुपए, 200 रुपए और 500 रुपए के जाली नोट, एक रंगीन प्रिंटिंग मशीन, एक ब्लैक एंड व्हाइट प्रिंटर, एक इन्वर्टर मशीन, 200 बोतल स्याही,** चार प्रिंटर कार्ट्रिज, नौ प्रिंटर रोलर्स और चार्जर व बैटरी के साथ छह वायरलेस सेट मिले।
- इस अभियान में **केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल की 50वीं बटालियन, ज़िला रिज़र्व गार्ड (DRG), बस्तर फाइटर्स** और ज़िला बल के जवान शामिल थे।

जाली मुद्रा (Counterfeit Money)

- जालसाजी, लाभ के लिये नकली धन का निर्माण, **एक प्रकार की जालसाजी जिसमें किसी चीज़ की नकल की जाती है** ताकि उसे मूल या वास्तविक वस्तु बताकर **धोखा दिया जा सके।**
- धन को दिये गए मूल्य और इसकी नकल करने के लिये आवश्यक उच्च स्तर के तकनीकी कौशल के कारण, जालसाजी को धोखेबाज़ी के अन्य कृत्यों से अलग रखा जाता है तथा **भारतीय दंड संहिता की धारा 489 A** के तहत इसे एक अलग अपराध माना जाता है।
- जालसाजी धोखेबाज़ों द्वारा **भोले-भाले व्यक्तियों से उनका पैसा ठगने के लिये** इस्तेमाल की जाने वाली सबसे पुरानी तकनीक है।

केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल

- मूलत: **वर्ष 1939 में क्राउन रिप्रेज़ेंटेटिव पुलिस** के रूप में गठित यह **सबसे पुराने केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों में से एक है।**
- स्वतंत्रता के बाद 28 दिसंबर, 1949 को CRPF अधिनियम के अधिनियमन के साथ ही इसका नाम बदलकर **केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल** कर दिया गया।
- यह आंतरिक सुरक्षा के लिये **भारत के प्रमुख केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों** (**गृह मंत्रालय** के अधीन) में से एक है।

ज़िला रिज़र्व गार्ड (DRG)

- ज़िला रिज़र्व गार्ड (District Reserve Guard- DRG) **छत्तीसगढ़ में एक विशेष पुलिस इकाई है,** जिसे **वर्ष 2008** में **माओवादी हिंसा** से निपटने के लिये स्थापित किया गया था।
- इसमें **विशेष रूप से प्रशिक्षित कार्मिक** शामिल होते हैं जो प्रभावित ज़िलों में माओवाद-विरोधी अभियान चलाते हैं, **तलाशी और ज़ब्ती** करते हैं तथा **खुफिया जानकारी एकत्र** करते हैं।
- माओवादी विद्रोह का मुकाबला करने के लिये DRG **केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF)** जैसे अन्य सुरक्षा बलों के साथ सहयोग करता है।

✦ ✦ ✦ ✦

नोट :